

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-७०

दिनांक- मंगलवार, ०६ अक्टूबर, २०२०



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेदशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.९ एवं २६.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ८१ प्रतिशत, हवा की औसत गति ८.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.० घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.४ एवं दोपहर में ३३.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में बरसात नहीं हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(०७-११ अक्टूबर, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०७-११ अक्टूबर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले ४८ घंटों में अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। हलॉक मैदानी भागों के समस्तीपुर तथा बेगुसराय जिलों के कुछ स्थानों पर अगले २४ घंटों में मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३१ से ३५ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २५-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अगले चार दिनों तक पुरवा हवा तथा ११ अक्टूबर को पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन ८-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछात बोयी गई धान की फसल जो कल्ले बनने की अवस्था में हो, में ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। कहीं-कहीं अगात बोयी गई धान की फसल जो बाली निकलने की अवस्था में आ गई हो, में ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते हैं। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- धान की फसल में ब्राउन प्लांट होपर कीट की निगरानी करें। यह मच्छरनुमा कीट पौधा की पत्तियों एवं तने से रस चुसता है जिससे पत्तिया सुखी हुई तथा भुरे रंग की हो जाती है। प्रारंभ में यह एक स्थान में रहते हैं जो बाद में सारे खेत में फैल जाते हैं एवं कभी-कभी यह सारी फसल को नष्ट कर देती है। यदि प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोरोप्रिड / ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवारी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाईं करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १ किलोग्राम सोडियम मालिब्डेट या अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करें। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- बैंगन की तैयार पौध की रोपाईं करें। रोपनी से पहले १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। २०-२५ दिनों वाली फसल में निकौनी करें।
- स्वस्थ एवं सुडौल आकार वाली सब्जियों के उत्पादन के लिए किसान भाई ट्राइकोडरमा खाद से मृदा उपचार कर सब्जियों की रोपाईं करें। मिर्च, बैंगन, टमाटर की फसलों एवं नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते हैं जिससे पौध के पत्ते टेढ़े-मेढ़े होकर सिकुड़कर रोगग्रस्त हो जाते हैं। यह बड़ी तेजी से एक-पौधे से दुसरे पौधे में फैलता है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- भिंडी, उरद और मूंग की फसल में पीला मौजैक वायरस रोग की निगरानी करें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोगग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर फसल में अनुशंसित दवा का आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित हैं।
- अगात मूली की बुआई करें। इसके लिए पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त आदि प्रभेद अनुशंसित हैं। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५x१० से०मी० की दूरी पर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमान: ३३.९ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से १.० डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: २६.९ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से २.४ डिग्री अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी